वार्षिक प्रतिवेदन 2021-2022
जिला पर्यावरण सुधार समिति

राजकीय बालिका महल उच्च प्राथमिक विद्यालय के सामने
वार्ड नम्बर 46, झुंझुनूं (राज.) 333001
टेलीफोन नम्बर 01592-230952, 294134
मोबाईल नम्बर 9414080952,707374095
ई-मेल jjnjzpss@gmail.com, jzpss_c1@yahoo.co.in
www.zpss.org.in

सचिव की कलम से

जिला पर्यावरण सुधार समिति ने इस वर्ष सामाजिक कार्यक्षेत्र में अपनी तीन दशक की यात्रा पूरी की इस दौरान संस्थान ने अनेक उतार–चढ़ाव देखे हुए मुझे आपके साथ यह साझा करने में आपार हर्ष की अनुभूति हो रही है, की जिला पर्यावरण सुधार समिति हज़ारों ज़रुरतमंद परिवारों, महिलाओं, बच्चों एवं युवाओं के साथ जुड़ने में सफल रही।

यह सन्देश 2022 में ऐसे समय में लिखना जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी की चपेट में है, जो कि एक जीवन की अप्रत्याशितता की याद दिलाता है, जब अच्छी तरह से निर्धारित योजनाएं भी काम नहीं करती है।लेकिन अधिक महत्वपूर्ण यह है, कि कठिन समय में भी हमारे मूल्य, उद्देश्य और लचीलापन तथा लोगों के साथ खड़े होने का दृढ संकल्प हमें मार्ग प्रशस्त करने में मददगार होता है।

कोरोना काल में संस्था ने लोगों को जागरूक करने के साथ ही जरूरतमदों की मदद भी की, राज्य एवं जिला स्तर पर प्रशासन के साथ मिलकर काम करना तथा आम जन के साथ गहरा जुड़ाव संस्था के लिए बड़ी उपलब्धि रही। संस्था का प्रारम्भ से ही प्रयास रहा है सरकार तथा आमजन के मध्य कड़ी का काम करते हुये दोनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाये।

संस्था की ओर से बाल अधिकार, महिला उत्पीड़न, स्वास्थ्य पोषण, आजीविका, पीने के पानी, शिक्षा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा तथा अनाथ एवं बेसहारा बच्चों, स्वच्छ भारत अभियान, हस्तशिल्पियों के साथ कार्य करने सहित विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर परियोजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया। वर्ष 2021–2022 का वार्षिक प्रतिवेदन आपको सादर समर्पित है। आगामी वर्षों में भी सभी को साथ लेकर समाज के हर वर्ग तक पहुंच कर उनका संर्वागीण विकास करना हमारा ध्येय है। संस्था के 30 वर्ष पूर्ण होने पर मैं सभी सहयोगियों का तहेदिल से आभार प्रकट करता हूं।

जहां पूरी दुनिया कोरोना काल के संकट से जूझ रही थी, वहीं हमारी संस्था द्वारा संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, चाईल्ड लाइन 1098, अपना स्वाधार गृह, बालिका आश्रय गृह एवं वन स्टॉप सेंटर (सखी) के कार्मिकों ने अपने स्वास्थ्य एवं जान की परवाह किये बिना संवेदनशीलता का परिचय देते हुए इस जान लेवा महामारी में जहां एक ओर आमजन की सेवा की वहीं दूसरी ओर कोरोना बीमारी से ग्रसित सैंकडों लोगों की जान बचाई। मैं संस्था की तरफ से इन कोरोना वोरियर का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ।

शुभकामनाओं के साथ

राजेश अग्रवाल

सचिव

चाइल्ड लाइन 1098

चाइल्डलाइन 1098 एक फोन नंबर है जो पूरे भारत में लाखों बच्चों के लिए आशा जगाता है। यह सरंक्षण और देखभाल की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए दिन में 24 घंटे, वर्ष में 365 दिन निःशुल्क, आपातकालीन फोन सेवा है। जो कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय कि परियोजना है, जिसका सञ्चालन चाइल्ड लाइन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से किया जारहा है।

जिला पर्यावरण सूधार समिति बच्चों को सुरक्षात्मक, प्रगतिशील वातावरण प्रदान करने तथा बच्चों की क्षमता के अनुरूप पहुँच बनाने एवं उनके बेहतर भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। पर्यावरण सूधार समिति द्वारा चाइल्ड लाइन 1098 की शुरुआत मार्च 2015 में की गयी और कुछ ही माह में चूरू ज़िले के सभी शहरों एवं गावों के घर–घर तक अपनी पहचान बनाई

बच्चों से सम्बंधित प्राप्त प्रकरणों का विवरण

	बाल मजदूरी	27
	बाल विवाह	06
	बाल शिक्षा	32
	बाल स्वास्थ्य	05
	शोषण एवं हिंसा	06
MISSING	गुमशुदा	11
	घर से भागे हुए बच्चे	03
	बेघर	21

चाइल्ड लाइन के पास बच्चों से सम्बंधित प्रकरण आने के पश्च्यात हम नियमित रूप से बाल सरंक्षण इकाई, परामर्शदाता, बाल कल्याण समिति, पुलिस प्रशासन, सामाजिक कार्य करता आदि के साथ बालक की बेहतरी के लिए कार्य करते है। हमारी टीम द्वारा बालक के हित को ध्यान में रखते हुए उनके स्थाई पुनर्वास तथा सुरक्षा के सन्दर्भ में लगातार फ़ॉलोअप किया जाता है।

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के तहत पीड़ित महिलाओं को विधिक, चिकित्सा, परामर्श एंव अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में सहायता प्रदान करता है। जिला पर्यावरण सूधार समिति द्वारा महिला आधिकारिता विभाग के सहयोग से महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र राजस्थान में अजमेर तथा झुंझुनू ज़िले में संचालित किये जारहे है

संसथान द्वारा अजमेर ज़िले में वर्ष 2015 से सफलतापूर्वक सञ्चालन किया जारहा है।

प्रकरणों का विवरण

प्रकरण	अजमेर	झुंझुनू
घरेलु हिंसा	132	140
दहेज़	60	24
भरण पोषण	08	21
बच्चा दिलाने	04	06
आश्रय	07	04
सम्पति विवाद	02	0
कुल प्रकरण	213	195

वन स्टॉप सेंटर (सखी)

सखी एक वन स्टॉप सेंटर है जो हिंसा या विपत्तिजनक स्थिति से प्रभावित महिलाओं को पुलिस सुविधा, चिकित्सा सहायता, विधिक सहायता एवं परामर्श, मनो–सामाजिक परामर्श तथा अस्थायी आश्रय सहित एक छत के नीचे अनेक एकीकृत सेवाएं

प्रदान करता है।

महिला अधिकारिता विभाग के सहयोग से जिला मुख्यालय अजमेर में जिला पर्यावरण सूधार समिति द्वारा वन स्टॉप सेंटर (सखी) का सञ्चालन किया जा रहा है जिसका मुख्या उद्देश्य ;

- एक ही छत के नीचे हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एकीकृत रूप से सहायता एवं सहयोग प्रदाय करना।

- पीड़ित महिला एवं बालिका को तत्काल आपातकालीन एवं गैर आपातकालीन सुविधायें उपलब्ध करना, जैसे–चिकित्सा, विधिक, मनौवैज्ञानिक परामर्श आदि।

महिला अधिकारिता विभाग के सहयोग से जिला मुख्यालय अजमेर में जिला पर्यावरण सूधार समिति द्वारा वन स्टॉप सेंटर (सखी) का सञ्चालन किया जा रहा है जिसका मुख्या उद्देश्य ;

- एक ही छत के नीचे हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एकीकृत रूप से सहायता एवं सहयोग प्रदाय करना।

- पीड़ित महिला एवं बालिका को तत्काल आपातकालीन एवं गैर आपातकालीन सुविधायें उपलब्ध करना, जैसे–चिकित्सा, विधिक, मनौवैज्ञानिक परामर्श आदि।

वन स्टॉप सेंटर (सखी), अजमेर में आये प्रकरणों का विवरण

प्रकरण	प्रकरणों की संख्या
घरेलु हिंसा	244
पोक्सो	01
कार्यस्थल पर उत्पीड़न	01
बलात्कार	01
सम्पति विवाद	03
अन्य	09
कुल प्रकरण	259

बालिका आश्रय गृह

18 वर्ष से काम आयु की निराश्रित, परित्यक्त, भिक्ष्या वर्ती करने वाली, शोसित, अनाथ, अप्रवासी, गुमशुदा अथवा अनधिकृत कच्ची बस्तियों में रहनेवाली या हासिये पर जीवन जीने वाली जरुरत मंद बालिका को सरंक्षण व सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से जिला पर्यावरण सूधार समिति द्वारा बाल अधिकारिता विभाग के सहयोग से वर्ष 2015 से चूरू जिला मुख्यालय पर बालिका आश्रय गृह का सञ्चालन किया जारहा है।

इस योजना के तहत ईस वर्ष कुल ... वाली जरुरत मंद बालिका को सरंक्षण व सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से बालिकाओं को प्रवेश दिया गया जिनको आश्रय गृह में निःशुल्क आवास, भोजन एवं पोषण, परामर्श, मनोरंजन व खेलकूद व कानूनी सलाह प्रदान की जाती है।

अपना स्वाधार गृह योजना

अपना स्वाधार गृह का संचालन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से अनुदानित व राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के दिशा–निर्देश में जिला मुख्यालय पर किया जा रहा है। स्वाधार गृह योजना के अन्तर्गत संस्थागत ढांचे का निर्माण करके बेबस, लाचार और बेसहारा औरतों को अस्थायी रूप से आश्रय के साथ उनको आत्मनिर्भर बनाने एवं खुद के पैरों पर खड़ा करने के लिए विभिन्न प्रयास किये जाते हैं।

योजना के उद्धेश्य

- स्वाधार गृह योजना के तहत बेबस और बेसहारा महिलाओं को रहने के लिए आश्रय, भोजन, वस्त्र एवं चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराना।
- महिलाओं को भावनात्मक रूप से सुदृढ़ एवं मजबूत बनाना।
- इन महिलाओं को आवश्यक कानूनी सहायता उपलब्ध करवाना तथा इन्हें स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाना।

इस वर्ष में 36 महिलाओं को अपना स्वाधार गृह योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया गया जिसमें त्रिपुरा, उड़ीसा, हरियाणा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आसाम राज्यों की जरूरतमंद महिलाओं को अपना स्वाधार गृह में आवश्यक सेवाएं दी गई। इनमें से अधिकांश के घर वालों का पता लगाकर उनको सुपुर्द किया गया ।

इन्दिरा रसोई योजना

श्री अशोक गहलोत, माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार द्वारा "कोई भी भूखा न सोये" के संकल्प के इन्दिरा रसोई योजना का शुभारम्भ किया गया। इस योजना के अंतर्गत संस्थान द्वारा चूरू जिला मुख्यालय पर इंदिरा रसोई का सञ्चालन किया जारहा है । जिसमे लाभार्थी को 8 रूपये में एक स्थान पर बैठाकर शुद्ध, ताजा एवं पोष्टिक भोजन सम्मानपूर्वक कराया जाता है।

इसके आलावा विभिन्न समाज सेवी, उद्योगपति, नेतागण एवं समाजसेवियों के द्वारा जन्मदिन, शादि समारोह, पुत्र/पुत्री जन्म, किसी विशेष दिन या किसी विशेष उत्सव पर इंद्रा रसोई पर निःशुल्क विशेष खाना खिलाया जाता है। इंदिरा रसोई में सभी आगंतुकों को संसथान द्वारा सम्मान पूर्वक बैठाकर खाना खिलाया जाता है, जिसमे साफ–सफाई, शुद्धता एवं पोषक भोजन का विशेष ख्याल रखा जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस

संस्था द्वारा 5 जून 2021 को हर वर्ष की तरह संस्था कार्यालय चुरू व झुंझुनूं में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसमें संस्था सचिव राजेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ0 श्रीमती भावना शर्मा, संस्था कार्यकर्ता व स्वाधार गृह में उपस्थित महिलाओं के सानिध्य में कोविड–19 की गाइड लाइन की पालना करते हुये स्वाधार गृह में ही वृक्ष के सामने दीप प्रज्जवलित कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

सड़क सुरक्षा के अन्तर्गत रिम्मेबर डे का आयोजन

जिला पर्यावरण सुधार समिति द्वारा जिला परिवहन विभाग झुंझुनूं के सयुंक्त तत्वाधान में सड़क दुर्घटना में मारे गये लोगों को श्रद्धाजंली देने एंवम इनके याद के उपलक्ष में विश्व रिमेंम्बर डे मनाया गया। जिला कलेक्टर उमरूदीन खां ने कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुये कहा कि किसी परिवार के मुखिया या युवा के जाने से क्या प्रभाव पड़ता है। यह हम सब जानते है। सड़क दुर्घटना में ज्यादातर मौतें युवाओं की होती है। उन्हौनें युवाओं से स्वयं सड़क एंव यातायात नियमों पालन करने एंव दूसरों को इस सम्बन्ध में जागरूक करने तथा संस्थान के सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में 11 परिवारों को सांत्वना सहित शॉल भेंट किया गया। साथ ही परिवारों को मिलने वाले मुआवजा या अन्य सरकारी सहायता हेतू जिला कलेक्टर, जिला परिवहन अधिकारी, पुलिस प्रशासन तथा सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों के संग वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें परिवारों की समस्या का अतिशीघ्र समाधान करने आश्वासन दिया गया।

निम्न गुणवत्ता वाले हेलमेट का विरोध

परिवहन विभाग की ओर से सस्ते व टोपीदार हेलमेट एक नकली आईएसआई मार्का हेलमेट सड़क पर तोड़कर आमजन को जागरूकता का सन्देश दिया। जिला परिवहन अधिकारी मक्खन लाल जांगिड़ ने बताया कि सस्ते वाले हेलमेट से जान नहीं बचेगी,ऐसे हेलमेट बनाने व बिकने पर रोक लगाई जाएगी। हेलमेट इंडिया कोएलिशन अपना राष्ट्रव्यापी अभियान संस्था जिला पर्यावरण सुधार समिति के साथ शुरू करने जा रहा है। जिला पर्यावरण सुधार समिति के सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि, इसके लिए राज्य स्तर पर पुलिस,परिवहन आदि विभागों से तालमेल कर ना बिकेगा,ना पहनेगा,ना बनेगा इस थीम पर संस्था कार्य करेगी। इस अवसर पर संस्था उपाध्यक्ष डॉ. भावना शर्मा ,सदस्य लियाकत अली,अशोक शर्मा,तेजस्विनी शर्मा,स्वाधार गृह की केन्द्राधीक्षक मीनाक्षी सैनी,वंदना सैनी,सियाराम शर्मा,जिला जन जागृति संस्था के सचिव एडवोकेट पारस सैन,संजय आदि मौजूद थे।

नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना*

यह योजना भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के सहयोग से संचालित की गयी।

संस्थान द्वारा इस योजना के तहत लोगो के बिच नशे के बारे में जागरूकता फैलाना, जानकारी देना और इसकी मांग में कमी लाना, और इससे होने वाले नुकसान के बारे में जानकरी देना है। इसके लिए सरकार स्कूल, कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थाओ में जनरल अवेयरनेस प्रोग्राम, माता पिताओ के साथ सेमिनार, वर्कशॉप का आयोजन और फेसिलिटी बिल्डिंग करना आदि गतिविधिया संचालित की गयी।

नशा मुक्ति कार्यक्रम

ज़िले में युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवर्ति को देखते हुए संस्थान ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहयोग से गुरु चरण छाबड़ा की स्मृति में नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत सुचना, सिख्या तथा सम्प्रेषण के माध्यम से युवाओं को नशे की लत से दूर रहने तथा इसके दुष्परिणामों के बारे में बताया। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताएं जैसे; खेलकूद, चित्रकला और निबंध आदि का आयोजन किया गया तथा विजेता प्रतिभागी को पुरस्कृत किया गया साथ ही समाज में जागरूकता लेन के लिए नुकड़ नाटक, प्रदर्शनी एवं चलचित्र प्रदर्शन आदि गतिविधियों का अ योजन किया गया।

संयुक्त देयता समूह जेएलजी

जेएलजी नाबार्ड द्वारा लघु/सीमांत किसानों/किरायेदारों/मौखिक पट्टेदारों की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तथा गैर–कृषि क्षेत्र में किसानों और सूक्ष्म उद्यमों को आजीविका के अवसरों को बढ़ाने के लिए नाबार्ड द्वारा प्रचारित एक योजना है, संस्थान द्वारा सीकर ज़िले में नाबार्ड के सहयोग से इस योजना का सञ्चालन किया जारहा है, जिसके अंतर्गत संस्थान को 200 संयुक्त देयता समूह के गठन का लक्ष्य दिया गया जिसमे अभीतक कुल 26 संयुक्त देयता समूह का गठन कर 04 समूहों को ऋण दिलाया जा चूका है।

राजस्थान दिवस

संस्थान द्वारा 30 मार्च के उपलक्ष में मनाया जाने वाला राज स्थान दिवस भारत सरकार युवा कार्यक्रम एंव खेल मंत्रालय के नेहरू युवा केन्द्र के सहयोग से 30 मार्च 2022 को हरकोरी देवी गर्ल्स पीजी कॉलेज झुंझुनूं में मनाया गया। कार्यक्रम में पड़ोस युवा संसद, फीट इण्डिया, नशा मुक्त भारत, सड़क सुरक्षा, गांधी दर्शन सांस्कृतिक कार्यक्रम व व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख झुंझुनूं, नेहरू युवा केन्द्र के अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, पुलिस प्रशासन, योग प्रशिक्षक आदि के साथ–साथ युवा मण्डल के पदाधिकारी एंव छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

जिला स्तरीय युवा सम्मेलन

जिला पर्यावरण सूधार समिति द्वारा भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय से सबंध नेहरू युवा केंद्र के सौजन्य से खेतड़ी प्रखंड के रामकृष्ण मिशन आश्रम में जिला स्तरीय युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्या अतिथि पुलिस जिला अधीक्षक राजेश कसना थे। जिसमे पुलिस प्रशासन, नेहरू युवा केंद्र के पदाधिकारी, युवा मंडल के प्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया ८ कार्यक्रम में युवाओं को राष्ट्रीय निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने, नशे की लत से दूर रहने तथा स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलने पर बल दिया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के आलावा वाद विवाद, खेल खुद प्रतियोगिता आदि का आयोजन करवाया गया।

हमारे सहयोगी संस्थान

	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार
	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार
	नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक) जयपुर
	सी एन आर आई (ग्रामीण भारत की गैर सरकारी संस्थाओं का परिसंघ)
	महिला अधिकारिता विभाग, अजमेर, झुंझुनू एवं सीकर
	बाल अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार
	सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता विभाग, झुंझुनू, चूरू
	चाइल्ड इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली
	नेहरू युवा केंद्र संगठन, चूरू, झुंझुनू
	आईसीआईसीआई बैंक
	राजस्थान वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन, जयपुर
	बचपन बचाओ आंदोलन
	बर्ड, लखनऊ
	राष्ट्रीय महिला कोष
	राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन
	नगर परिषद्, चूरू
	जिला विधिक प्राधिकरण सेवा

संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों का मीडिया में प्रकाशन

नशा मुक्ति के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित

जन चेतना जागृत करने की रणनीति पर हुआ मंथन

झुंझुनूं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और जिला पर्यावरण समिति के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को नशा मुक्ति के लिए समिति कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नशा मुक्ति के लिए सामाजिक जनजागृति लाने की रणनीति पर मंथन हुआ। शिविर के प्रथम सत्र में बतौर मुख्य अतिथि शामिल जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह ने कहा कि इसके लिए बाल्यावस्था से ही जागरूकता पैदा करनी होगी। उन्होंने आध्यात्मिक जुड़ाव पर भी बल दिया। वहीं समिति के राजेश अग्रवाल ने प्रशिक्षार्थियों से जागरूकता अभियान के दौरान आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों और उनके निराकरण पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान प्रशिक्षणार्थी तेजपाल, वंदना सैनी, अभिषेक मुरारका, आदित्य, सुनिता स्वामी, ज्योत्स्ना कंवर, मीनाक्षी सैनी और संजय कुमार ने अपने अनुभव साझा किए। वहीं शिविर के दूसरे सत्र में क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी विकास नापा और क्षेत्रीय प्रचार सहायक नेमीचंद मीणा ने जानकारी प्रदान की।

भिक्षावृति रोकने हेतु जिला पर्यावरण सुधार समिति ने समझाईश की

राजलदेसर। कस्बे में जिला पर्यावरण सुधार समिति द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने आज राजलदेसर के भावनदेसर रोड स्थित झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बच्चों में परिजन के साथ भिक्षावृति की रोकथाम हेतु समझाइश की गई। चाइल्ड हेल्प लाइन चूरू को दूरभाष के माध्यम से इस माह राजलदेसर में सबसे अधिक भिक्षावृति होने की सूचना मिली थी। परिजनो व बच्चों के साथ समझाइस हेतु राजलदेसर पहुंची। चाइल्डलाइन टीम ने बच्चों को 1098 टोल फ्री नंबर की की जानकारी दी। चाइल्ड हेल्प लाइन के टीम मेंबर पत्रे सिंह ने बच्चों से बाल श्रम ना करवाने के बारे में बताया तथा भिक्षावृति न करवाने हेतु उपस्थित सभी लोगों को शपथ दिलवाई गई। साथ ही बच्चों की समस्याओं को सुना गया। उन्हें शिक्षा हेतु प्रेरित किया गया। इस तरह की चाइल्ड हेल्पलाइन मे बच्चे किस प्रकार की सहायता के लिए कॉल कर सकते हैं। उन्होने बच्चों को 1098 पर बात कर समझाया गया। कार्यक्रम में राजलदेसर थाने के हेड कांस्टेबल रामलाल, कास्टेबल रमेश व संदीप अपने बच्चों को भिक्षावृति ना करने हेतु संबोधित किया। साथ ही बच्चो के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार रखते हुए परिजनों को समझाया कि बच्चों की समस्याओं को सुने व उनके निवारण हेतु 1098 पर कॉल करें। सभी बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की और कोरोना महामारी से बचाव के उपाय बताए गए। सभी को मास्क वह चाइल्ड लाइन पंपलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम में चाइल्ड लाइन टीम सदस्य किशन भी उपस्थित रहे।

राज्य में राजीव ... शिक्षाकर्मियों ...

चूरू। कलेक्ट्रेट में मुख्यमंत्री के नाम जिला कलक्टर को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ...

ना बनेगा, ना बिकेगा, ना पहना जाएगा बेकार हेलमेट

फेक और सब स्टैंडर्ड हेलमेट पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जागरूक टाइम्स संवाददाता

झुंझुनूं। डीटीओ डॉ. मक्खनलाल जांगिड़ की उपस्थिति में दो सस्ते वाले टोपीदार हेलमेट, एक नकली आईएसआई मार्का हेलमेट को सड़क पर तोड़कर आमजन को जागरूकता का संदेश दिया गया कि सस्ते वाले हेलमेट से जान नहीं बचेगी। ऐसे हेलमेट बनने व बिकने पर रोक लगाई जाए। राजस्थान में पहली बार झुंझुनूं जिला मुख्यालय पर परिवहन विभाग के सामने मुख्य सड़क पर आम जनता के बीच प्रदर्शन किया गया। हेलमेट इंडिया कोएलिशन 18 जुलाई से अपना राष्ट्रव्यापी अभियान 'ब्रेक अप विद ट्रैफिक वॉलियंश' संस्था जिला पर्यावरण सुधार समिति के साथ शुरू किया है। जिला पर्यावरण सुधार समिति के सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि इसके लिए राज्य स्तर पर पुलिस, परिवहन आदि विभागों से तालमेल कर ना बिकेगा, ना पहनेगा, ना बनेगा इस थीम पर संस्था कार्य करेगी। इस अवसर पर संस्था उपाध्यक्ष डॉ. भावना शर्मा, सदस्य लियाकत अली, अशोक शर्मा, कांग्रेस नेत्री तेजस्विनी शर्मा, स्वाधार की केंद्राधीक्षक मिनाक्षी सैनी, वंदना सैनी, सियाराम शर्मा, जिला जन जागृति संस्था के सचिव एडवोकेट पारस सैन, संजय आदि उपस्थित थे।

दैनिक
जयपुर टाइम्स
नई सोच नई रफ्तार

बस्ती के बच्चै को मास्क वितरण किया

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। जिला पर्यावरण सुधार समिति चूरू द्वारा संचालित चाईल्ड लाईन चूरू के द्वारा अग्रसेन नगर रामसरा रोड़ कच्ची बस्ती की महिलाओं व बच्चों को मास्क वितरित किये गये साथ ही चाईल्ड हेल्प लाईन की जिला समन्वयक रूकैया बानों ने कॉविड-19 के बचाव, सोषल डिस्टेंषिंग व सेनिटाईजर व मास्क के फायदे बताये इस कार्यक्रम में टीम सदस्य किषन वर्मा व हनुमान प्रसाद बस्ती के लोग आदि मोजुद थे।

यातायात विभाग और पुलिस विभाग लोगों को जागरूक कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने का प्रयास करें

■ जलतेदीप, निसं., झुंझुनू

झुंझुनू सड़क दुर्घटनाओं के कारण परिवार के मुख्य के जाने के बाद परिवार को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है यातायात विभाग और पुलिस विभाग लोगों को जागरूक कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने का प्रयास करें विद्यालय में कॉलेज के छात्र छात्राओं को भी जागरूक करें अधिक से अधिक शक्ति से यातायात के नियमों की पालना करवाएं उक्त विचार जिला कलेक्टर उमरदीन खान ने सूचना केंद्र में विश्व रिमेंबर डे जो कि यातायात विभाग वह जिला परिहार सुधार समिति के संयुक्त तत्वाधान में मनाया जा रहा था मैं व्यक्त किए कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला परिवहन अधिकारी डॉक्टर मक्खन लाल जांगिड़ ने बताया कि सीट बेल्ट हेलमेट व अन्य सड़क पर चलने वाले पैदल और वाहनों के मालिक नियमों की पालना करेंगे तो हम दुर्घटनाओं में कमी लाने में सफल होंगे कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र मीणा ने सड़क दुर्घटनाओं में जिन परिवारों के दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की उन्होंने बताया कि हम सभी सक्रिय रूप से मिलकर के कार्य करेंगे तो दुर्घटनाओं में कमी ला सकते हैं कार्यक्रम में महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव नेवला बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष अर्चना चौधरी वह जिला प्रयोग सुधार समिति के सचिव राजेश अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम का संचालन सुल्ताना बानो ने किया इस अवसर पर जिलेभर से सड़क दुर्घटना में मृतक परिवारों के 11 लोगों को सांत्वना स्वरूप सोल भेंट कर सम्मान किया गया कार्यक्रम में परिवहन विभाग व यातायात विभाग के अधिकारी और कर्मचारी वह जिला एवं सुधार समिति के कार्यकर्ता मौजूद थे।

युवा शक्ति अपनी उर्जा समाज व राष्ट्र के उत्थान में लगाएंः उपाधीक्षक राकेश कसाना

जिला पर्यावरण सुधार समिति व नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन

आयुष-अंतिमा नेटवर्क

झुन्झुनू (राजेंद्र शर्मा झेरलीवाला)। युवा अपनी ताकत को पहचाने, अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाकर समाज व् राष्ट्र के उत्थान में अपना योगदान दे, उक्त विचार पुलिस उपाधीक्षक खेतड़ी राकेश कसाना ने जिला पर्यावरण सुधार समिति व् नेहरू युवा केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय सम्मेलन में व्यक्त किये. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में खेतड़ी वृताधिकारी विनोद सांखला ने युवाओं को आह्वान किया. अपराध की दिशा में नहीं जाए कुछ ऐसा काम करे, जिससे अपने माता पिता का सर गर्व से ऊँचा हो, कार्यक्रम की अध्यक्षता विवेकानंद संग्रहालय के संत परशांतानन्द ने बताया की बड़े दुःख की बात है, जिस देश में विवेकानंद, छत्रपति शिवाजी महाराज, रानी लक्ष्मी बाई जैसे हजारो सख्शियत प्रेरणा दायी हुए है. आज वर्तमान में अपने देश मे फटी हुई जींस पहनकर समाज में अपने आपको क्यों कंगाल साबित करना चाहते है।

कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र में जिला युवा अधिकारी मंगल राम जाखड ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा की युवा नशे व् मोबाइल की लत छोडकर के राष्ट्र की मुख्यधारा में आये कार्यक्रम को संस्था के निदेशक राजेश अग्रवाल, स्वामी विवेकानंद महाविधालय के प्राचार्य महिपाल कुमावत, डॉक्टर अतुल भटनागर ने सम्बोदित किया कार्यक्रम में वंदना सैनी, मीनाक्षी सैनी, रेखा कुमारी, ज्योत्स्ना कँवर, सुनीता स्वामी, लक्ष्मी जेवरिया, प्यारेलाल सीगडा, विजय हिन्द जालिमपुरा, पूजा शर्मा, अभिषेक मोररका, संजय आदि उपस्थित थे. सम्पूर्ण जिले में 150 से अधिक सम्मिलित हुए, बालिकाओं द्वारा सांस्कतिक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक राजकुमार कुमावत दुवारा किया गया।